>

Title: Regarding laying of railway line linking Bhabua district headquarter in Kaimoor District of Bihar.

श्री जगदानंद सिंह (बक्सर): धन्यवाद सभापति जी। मैं आपके माध्यम से अति लोक महत्व के विषय को रखना चाहता हूं। बिहार में एक मात्र कैमूर जिला का मुख्यालय भभुआ ही रेल लाइन से वंचित है। राज्य में 38 जिले हैं तथा 37 जिला मुख्यालय रेल लाइन से जुड़े हुए हैं। भभुआ रोड से भभुआ मुंडेसरी धाम तथा भभुआ दिनारा आरा लाइन प्रस्तावित है। भू-अर्जन का कार्य भी शुरु हो चुका था। मगर रेल बजट में शामिल इस प्रस्तावित लाइन का कार्य आरंभ नहीं हो पा रहा है।

सभापति जी आप आश्चर्य करेंगे कि इस लाइन का शिलान्यास भी सदन के सर्वोच्च आसन पर विराजमान माननीय अध्यक्ष जी की उपस्थिति में हो चुका है। यह इलाका भी उन्हीं का है। वे यहां के प्रतिनिधि हैं और यहां से स्वर्गीय बाबू जगजीवन राम जी जिन्हें हमलोग बड़े आदर से बाबूजी कहते थे, यहां के प्रतिनिधि रह चुके हैं।

बिहार प्रदेश का पश्चिमी भाग आरा, रोहतास, बक्सर, कैमूर कभी शाहाबाद के नाम से जाना जाता था जो आज चार खंडों में बँटकर भी सोन नहर प्रणाली से मिले पानी के चलते धान एवं गेहूँ के भारी उत्पादन के कारण औद्योगिक विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। विकास की भारी संभावना वाले इस इलाके को रेल लाइन की ज़रूरत है। कृषि उत्पादन की खपत एवं निर्यात तथा औद्योगिक प्रतिष्ठानों के लिए आवश्यक वस्तु के साथ उत्पादित माल को बाज़ार तक ले जाने के लिए देश के अन्य हिस्सों से जोड़ने के लिए इस रेल लाइन की आवश्यकता महसूस कर ही इस रेल लाइन के निर्माण को स्वीकार किया गया था। मुंडेश्वरी स्थान एक विख्यात स्थल है। कैमूर की पहाड़ियों में स्थित यह पर्यटन स्थल 1300 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ कैमूर का जंगल, जहाँ हमारे आदिवासी भाई रहते हैं, जहाँ उग्रवाद अपनी चरम सीमा पर जा चुका है, रेल मंत्री जी की घोषणा भी है कि ऐसे इलाकों तक रेल की लाइन को ले जाना है ताकि विकास की किरणें वहाँ तक भी पहुँचें। वर्तमान सरकार के दो वर्ष के कार्यकाल में बजट आबंटन की बात होते हुए भी निर्माण का कार्य आगे नहीं बढ़ना लोगों में भारी असंतोष पैदा कर रहा है। यूपीए-1 के पूर्व रेल मंत्री जी ने इसका शिलान्यास किया था। वर्षों से प्रगति के लिए आवश्यक रेल लाइन की आशा बनाए रखना आम आदमी के लिए असंभव होता जा रहा है।

महोदय, मैं मांग करता हूँ कि आरा-दिनारा-मोहनिया-भभुआ-मुंडेश्वरी स्थान रेल लाइन का निर्माण का कार्य तत्काल शुरू कर कृषि, उद्योग एवं पर्यटन की अपार संभावना से पूर्ण इलाके की वांछित आवश्यकता को पूरा किया जाए।

MR. CHAIRMAN : Prof. Saidul Haque. I think you have associated previously.

SK. SAIDUL HAQUE (BARDHMAN-DURGAPUR): Sir, I will just take two or three minutes.

MR. CHAIRMAN: Yes, please.